Roll No. ..... Total Printed Pages - 4

F-3222

B.A. (Part-II) Examination, 2022

(New Course)

(SANSKRIT LITERATURE)

Paper Second

(नाटक, व्याकरण और अनुवाद)

Time : Three Hours] ***[Maximum Marks : 75***

सूचना : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई - 1

1. किन्ही **दो** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **15**

(i) निवर्त्य राजा दर्यितां दपालुस्तां सौरभेयीं सुरभिर्यशोभिः।
पयोधरीभूतचतुः समुद्रां जुगोप गोरुपधरामिवोर्वीम्।।

(ii) सञ्चारपूतानि दिगन्तराणि कृत्वा दिनान्ते निलयाय गन्तुम्।
प्रचक्रमे पल्लव राग ताम्रा प्रभापतङ्गस्य मुनेश्च धंनुः।।

(iii) स त्वं मदीयेन शरीरवृत्तिं देहेन निवर्तयितुं प्रसीद।
दिनावसानोत्सुकबालवत्सां विमुच्यतां धेनुरियं महर्षेः।।

(iv) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः कान्तमिदं वपुञ्च।
अल्पस्य हेतोर्बहु हातु मिच्छन् विचारमूढः प्रतिभासि मे त्वम्।

इकाई - 2

2. रघुवंश द्वितीयसर्ग के आधार पर प्रकृति-चित्रण कीजिए। **15**

अथवा

रघुवंश द्वितीयसर्ग के आधार पर कालिदास की जीवजन्तु विषयक चेतना को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।

अथवा

रघुवंश के द्वितीय सर्ग का कथासार लिखिए।

इकाई - 3

3 किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए। **15**

(1) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्वतः पीऽयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यतञ्छशविषाण मासादयेन्
नतु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् ।।

(2) शिरः शार्वं स्वर्गात् पतति शिरसस्तत्क्षितिधरं
महीध्रादुत्तुङ्गादवनिभवनेश्चापि जलधिम्।
अधोऽधोगङ्गोऽयं पदमुपगतास्तोकमथवा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।।

(3) येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।

(4) भवन्ति नम्रास्तरवः फलोदगमे।
नवाम्बुभिर्भूरि विलम्बिनोघनाः।।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः।
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम् ।।

इकाई-4

4. किन्हीं **दो** का परिचय दीजिए : **15**

(1) उत्तररामचरितम्

(2) शिवराजविजयम्

(3) मृच्छकटिकम्

(4) रघुवंशम्

इकाई - 5

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **15**

(1) पंचतंत्र

(2) कथामुक्तावली

(3) नलचम्पू

(4) नीतिशतक